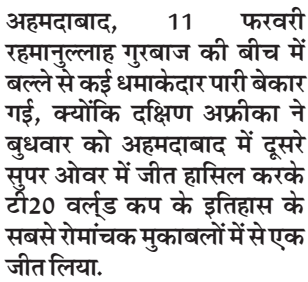


➡ टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबला



आखिरी गेंद पर तय हुआ। मैच आखिरी ओवर की पहली गेंद पर ही खत्म हो सकता था, जब कगिसा रबाडा ने नूत अहमद को कवर पर कैच कराया। लेकिन पेसर ने ओवरस्ट्रेप कर दिया था। वह अफगानिस्तान के लिए राहत की बात थी, जो आखिरी ओवर में सिर्फ एक विकेट के साथ 13 न र का पीछा कर रहा था। यह पहले सुपर ओवर की आखिरी बॉल पर भी खत्म हो सकता था, लेकिन साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 7 रन चाहिए थे और 18 रन का पीछा कर रहे थे, ट्रिस्टन

स्टम्ब - जिन्होंने तब तक कोई बॉल नहीं खेली थी - ने फजलहक फारूकी को बॉल पर सीधा छक्का जड़ दिया। एक बार की, दूसरे सुपर ओवर में बाकी बॉल बाकी रह चुकीं हुए, मैच का फैसला हो गया लग रहा था। जीत के लिए 24 रन का पीछा करते हुए, अफगानिस्तान पहली दो बॉल पर रन नहीं बना सका और मोहम्मद नबी को विकेट भी गंवा दिया। साउथ अफ्रीका को बस एक डॉट बॉल की जरूरत थी। लेकिन यह खतम नहीं हुआ। गुरबाज, जिन्होंने पहले 42 बॉल में 84 रन बनाए थे और

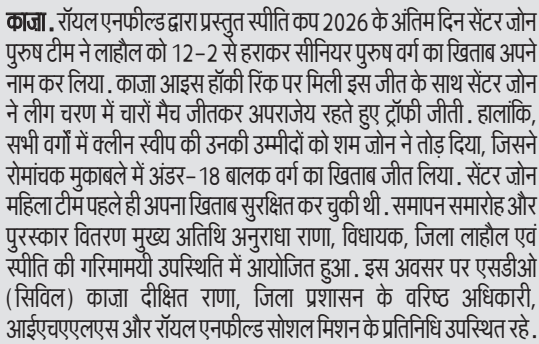
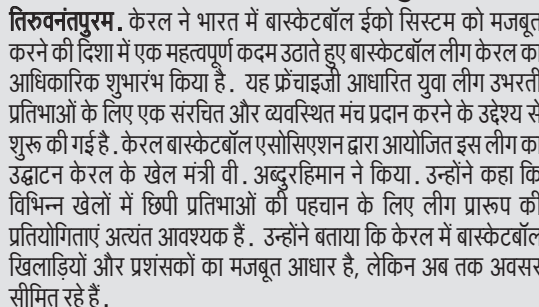
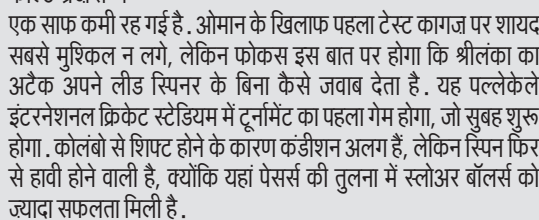
अफगानिस्तान के लिए लक्ष्य का पीछा करने की शुरुआत की थी, ने तीन बॉल पर तीन छक्के मारे और आखिरी बॉल पर 6 रन की जरूरत को कम करके मैच अपने नाम कर लिया.

अफगानिस्तान - 6 बॉल में 17/0
दक्षिण अफ्रीका - 6 बॉल में 17/1
**दूसरा सुपर ओवर - दक्षिण अफ्रीका 4
रन से जीता**
दक्षिण अफ्रीका - 6 बॉल में 23/0
अफगानिस्तान - 6 बॉल में 19/2

६ अफगानिस्तान में मुकाबले को जिताना गहरा खाली, वह अपने आप में तारीफ़ के काबिल है, और इसके लिए रवाडा भी कुछ हद तक जिम्मेदार है। वंज के आखिरी आँवर में नो-बॉल फेकने के बाद, एक वाइड बॉल और नूर ने डीप स्वापार लेना बाउंड्री के ऊपर से एक छक्का जमा दिया। फिर उन्होंने फिर से ओवरस्ट्रेप किया, जस्टिस अफगानिस्तान को मुकाबले में मजबूत करने रहे के और मौक मिले। लेकिन, वह अफगानिस्तान का एक और मलत फेंसला था जिसकी वजह से आखिरी कार उन्हें हार का सामना करना पड़ा.

उल्लास. मंगलवार को नेवसो उल्लास ओपन में लंनर टिप्पन के खिलाफ मिली मोरिन सिंघिन के ६००वीं टूर-लेवल जीत, औन कॉन्सिस्टेंसी और खेले समय तक टिक के रहने की झलक है, इन खुशियों में उन्हें आज के महान खिलाड़ियों में जगह बनाने में मदद की है. एटीपी टूर पर दूसरे दो दशकों में, जिसका ज्यादातर हिस्सा 'बिग थ्री' युग में मुकाबला करते हुए बीता, क्रोएशियाई खिलाड़ी ने केवल टिका राक, बल्कि आगे भी बढ़ा है. ३७ साल के सिंघिन इस खेल के सबसे कुछेकोमिटिटर में से एक हैं, जिनके पास उतनी ही जबरदस्ती बेसलाइन कार्यावरण है।

पल्लेकेले. श्रीलंका का कैपेन शहर बदल रहा है, लेकिन ऐसा शक के घरे में है. वानिंदु हसरंगा हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए



जारा टाईटलक अवरयनसेन के जखन थी. यह एक ऐसी हार हो सकरती थी जिससे टीम का कॉन्फिडेंस डागमगा जाता, लेकिन ऐसे पलों में वर्ल्ड-क्वालीफायर खिलाड़ी मौके का फायदा उठावे हैं.

वह खिलाड़ी, एक बार फिर, सूर्यकुमार यादव थे. 48 गेंदों पर उनकी नाबाद 84 रन की पारी टाइमिंग, कॉन्फिडेंस और कंट्रोल एग्जेशन का मास्टरक्लास प्रदर्शन था.

जब सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वे जिम्मेदार लेने की अपनी काबिलियत दिखाते हैं. बाँजिंग ने भी भारत की गहराई और खुद को दालने की काबिलियत दिखाई. चोटिल हरिष राणा की जगह देर से आए मोहम्मद सिराज ने शुरू में ही विरोधी टीम पर दबाव डाला, जबकि अशदीप सिंह और अक्षर पटेल ने बीच के ओवरों में दबाव बनाकर रन बनाने के मौके कम किए. यह दबाव में मिलकर

किया गया प्रदर्शन था, और इस लेवल का प्रदर्शन भारत के लिए एक ब्यूट्रिपिंट देत है क्योंकि एक लेवल का सामना कर रहे हैं, जो इस लेवल पर खुद को साबित करने के लिए बेताब टीम है. नामीबिया इस मुकामले में अपने सामने मौजूद चुनौती को जानते हुए उतरेगा. नीदरलैंड्स से उनकी शुरुआती हार ने उम्मीद और सुधार की जरूरत वाले एरिया, दोनों को दिखाया.

दिल्ली की पिच से पेसर्स को शुरुआत में मदद मिलेगी लेकिन लाइवर्स में स्ट्रोकर्स के लिए आसानी होने की उम्मीद है. टॉस एक फैक्टर हो सकता है, लेकिन असली टेस्ट एजीक्विटी में होगा - इंडिया अपने एक्सपीरियंस और कोणेश्वर, और नामीबिया अपने एम्बिशन और भ्रूय से. सभी की निगाहें एक बार फिर सर्वप्रथम पर लेंगी बिजनेस

भारत के खिलाफ, नामीबिया को शुरू से ही अग्रसर होना होगा, समझदारी से स्ट्रार्क को टोटेट करनी होगी, और उसकी पाठशाला बनानी होगी जिससे वे एक मुश्किल रोडटेल बना सकें या उसका पीछा कर सकें। उनके जॉलर्स को इंडिया की गहराई और व्वालिटी के सामने कड़ी परीक्षा देनी होगी, और उनके फौन्डर्स को आसान रन और छूटे हुए मौकों को रोकने के लिए अलर्ट रहना होगा। अगर नामीबिया डिफेंडिंग पैरिपेटन को मुश्किल में डालना चाहता है तो डिस्पिण्डन और फोकस बहुत जरूरी होगा।



कोलम्बो, 11 फरवरी. नाथन एलिस और एडम जम्पा (4-4 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को बुधवार को एकतरफा अंदाज में 67 रन से पीटकर टी 20 विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट पर 182 रन बनाने के

बाद आयरलैंड को 16.5 ओवर में 115 रन पर समेट दिया. 12 रन पर चार विकेट लेने वाले एलिस को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला. मैच से पहले ही कप्तान मिचेल मार्श के चोटिल हो जाने के कारण ऑस्ट्रेलिया के पास प्लेइंग 11 चुनने के लिए केवल 12 खिलाड़ी ही मौजूद थे.

नयी दिल्ली. गुरुवार को दिल्ली में नामीबिया के खिलाफ भारत के दूसरे गुप्त मुकाबले में अभिषेक शर्मा के खेलेने पर भारतीय टीम प्रबंधन मैच से पहले फ्रीसला लगा. भारतीय-ब्राजिल तालजिक वर्मा ने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अभिषेक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. तिलक ने कहा, 'अभिषेक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. उनके पेट में समस्या थी इसलिए वह अस्पताल में बर्ती थे. हमें आज उनकी स्थिति देखने के बाद यह फ्रीसला करने को कहें. खेले गये या नहीं. हमारे पास निर्णय लेने के लिए अभी एक दिन और है.' अभिषेक को पेट में संक्रमण के चलते दिल्ली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. मंगलवार को भारत के सहायक कोच रायचंद ने डेस्कटॉप में कहा था, 'अभि (अभिषेक) के पेट में अभी भी कुछ समस्या है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह टीक होकर इस मैच के लिए तैयार रहेंगे.' अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में खता नहीं खोल पाए थे और पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे. इसका बाद अभिषेक फ्रीलैंडिंग करने नहीं आए थे.



नयी दिल्ली. भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने कैपेन के पहले मैच में अमेरिका को 29 रन से हराया, लेकिन अपनी बैटिंग इनिंग्स के दौरान एक समय वे मुश्किल में थे. जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट्स संजय गांग्र और पीतूष चावला ने बैटर्स के लिए सीख और नामीबिया के खिलाफ भारत की फोहो इलेवन में संभावित बदलावों पर अपने विचार शेयर किए.

▶ निरीक्षण टीम के अनुसार, ग्राउंड का रखरखाव मानकों के अनुरूप नहीं

देहरादून, 11 फरवरी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पिच क्यूरेटर ने उत्तराखंड में देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का दौरा करने के बाद मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यहाँ के मैदान की हालत को बेहद निराशाजनक बताया है। इससे यहाँ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल की मेजबानी को लेकर झटका लगा है।



कहा कि स्ट्रेडियम की पिच और आउटफील्ड को स्तर इतना खराब है कि यहां सेमोफाइनल जैसा महत्वपूर्ण मुकामबला आयोजन नहीं किया जा सकता. बीसीसीआई की निरीक्षण टीम के अनुसार, ग्राउंड का रखरखाव मानकों के अनुरूप नहीं है, जिसके चलते इसे उच्च स्तरीय क्रिकेट के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया गया है. इस फैसले के बाद अब यह प्रश्न उत्तराखंड के बजाय उत्तर प्रदेश में स्थित होने की पूरी संभावना है. सूत्रों की मानें तो बीसीसीआई

अब इस सेमीफाइनल को कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क या लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आयोजित करने पर विचार कर रहा है।

इस घटनाक्रम ने राज्य के खेल प्रेमियों और क्रिकेट विशेषज्ञों को गहरे असमंजस में डाल दिया है। एक क्रिकेट विशेषज्ञ ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि उसराखंड के लिए अपनी खेल सुविधाओं को प्रदर्शित करने का यह एक सुनहरा अवसर था, जिसे लचर प्रबंधन के कारण गंवा दिया गया।